>

Title: Need to withdraw ban on export of milk powder and casein.

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले): सभापति महोदय, ऑपरेशन फ्लड मिल्क थर्ड-फेज 1700 करोड़ रुपये खर्च करके शुरु हुआ है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा दूध उत्पादक देश के रूप में उभरा है। अमरीका के साथ हमारी दूध उत्पादन के बारे में स्पर्धा हो रही है लेकिन ऑपरेशन फ्लड-मिल्क का थर्ड फेज शुरू करने के बावजूद 18 फरवरी 2011 में हमारे देश ने दूध के पॉउडर के निर्यात के बारे में जो पाबंदी लगायी थी वह हटायी नहीं है। पिछले एक साल में महाराष्ट्र हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के साथ-साथ हरेक दूध उत्पादन करने वाले प्रदेश में पांच से दस प्रतिशत दूध का उत्पादन बढ़ चुका है। जब फ्लश सीजन होता है तब दूध का उत्पादन ज्यादा होता है लेकिन लीन सीजन में दूध का उत्पादन कम होता है। घरेलू मांग के बाद जो दूध हमारे पास बचता है, फ्लश सीजन में उसका मिल्क पॉउडर और केसिन में कंवर्जन होता है। केसिन और मिल्क पॉउडर कई वर्षों से हमारा देश एक्सपोर्ट करता रहा है।

लेकिन पिछले साल जब दूध के दाम बढ़ रहे थे तो दूध के दाम कंट्रोल करने के नाम पर हमारे देश में मिल्क पाउडर बैन कर दिया दिया और आज पूरे देश में हालात ये पैदा हुए हैं कि घरेलू दूध से ज्यादा हमारे यहां अतिरिक्त दूध उपलब्ध है और जो कंवर्जन हो रहा था, वह कंवर्जन थम सा गया है। बल्कि दूध पाउडर रखने के लिए गोदाम भी हमारे पास बचे नहीं हैं। तकरीबन 25000 टन दूध पाउडर हमारे पास है, इसलिए यह कंवर्जन रुक गया है और इसका फायदा बिचौलियों ने उठाया है। एक तरफ दूध की खरीद कम कर दी है और दूसरी तरफ दूध का सैलिंग रेट बढ़ाया है। इसीलिए हरेक राज्य में किसान आंदोलन कर रहे हैं और इस दूध का क्या करें, यह प्रश्न चिन्ह हरेक के सामने खड़ा है। मैं सरकार से विनती करता हूं कि तुंत मिल्क पाउडर के निर्यात पर जो पाबंदी लगायी गई है, उसे हटाकर दूध उत्पादक किसानों को सरकार बचाए। धन्यवाद।